माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान
बीकानेर-334001
☎ 0151-2522238 (का.) 2200222 (नि.)
फैक्स : 0151-2201861

सत्यमेव जयते

नथमल डिडेल
(आई.ए.एस)
निदेशक

अ.शा पत्र कमांकः– उनि/सशि/SIQE/60818/निरीक्षण/2015–16/298 दिनांक- 20-11-2017

प्रिय संस्था प्रधान,

आपको विदित है कि प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से राज्य में स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्युकेशन (SIQE) कार्यक्रम लागू किया गया है। इस कार्यक्रम के प्रभावी संचालन में आपकी अहम् भूमिका है।

विगत 4 से 7 अक्टूबर के दौरान एसआईक्यूई कार्यक्रम की विद्यालय स्तर पर संचालन की स्थिति को देखने के लिए निदेशालय स्तर से अधिकारियों को जिलों में भेजा गया था। प्राप्त फीडबैक से ऐसा लगता है कि कार्यक्रम के प्रभावी संचालन हेतु विद्यालय स्तर से ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। यह पाया गया है कि विद्यालयों में एसआईक्यूई संबंधित दस्तावेजीकरण (Documentation) की प्रक्रिया में कुछ सुधार हुआ है किन्तु यह अंतिम नहीं है। अभी कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में सुधार अपेक्षित है।

विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा हेतु आवश्यक भौतिक व्यवस्थाओं यथा– लहर कक्ष को पूर्ण रूप से सुसज्जित करना, कक्षा–कक्षों में विद्यार्थियों की समूहवार बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए पर्याप्त फर्नीचर अथवा दरी पट्टी इत्यादि की व्यवस्था तथा कक्षा–कक्षों में सीखने–सिखाने को पुख्ता करने के लिए सहज–सुलभ शिक्षण सामग्री की व्यवस्था हेतु आपको निर्देशित किया जा चुका है। बहुत से संस्था प्रधानों द्वारा अपने विद्यालयों में इस संबंध में अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। मैं ऐसे समस्त संस्था प्रधानों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा के लिए कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में परम्परागत शिक्षण को त्याग कर बाल केन्द्रित शिक्षण पद्धति को अपना कर गतिविधि आधारित शिक्षण सुनिश्चित करते हुए सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन को सार्थक रूप में सम्मिलित किया जाना है। मेरी अपेक्षा है कि आप प्राथमिक कक्षाओं की सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के प्रति अपनी समझ बनाते हुए नियमित प्रबोधन करें ताकि कक्षाओं में, कार्यक्रम की भावना के अनुरूप शिक्षण कार्य हो।

किसी भी विद्यालय में उसके पुस्तकालय का उपयोग वहां के शैक्षिक वातावरण को दर्शाता है। प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों मे पढ़ने की आदत विकसित हो, इसलिए पुस्तकालय का उपयोग किया जाना आवश्यक है। मेरा व्यक्तिगत आग्रह है कि आप विद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों में से प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों हेतु उपयोगी पुस्तकों का चयन कर उन्हें नियमित रूप से इन विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए उपलब्ध करवाएं।

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इस लिए कला, कार्य तथा स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के कालांशों में उनसे संबंधित गतिविधियों का संचालन किया जाना आवश्यक है। विद्यार्थियों की सृजन क्षमता को विकसित करने के लिए कुछ गतिविधियां यथा–भित्ति पत्रिका का प्रकाशन, कक्षा–कक्षों में विद्यार्थियों के कार्य के प्रदर्शन हेतु सृजन कोना या अन्य नवाचारी योजना जिसे आप उचित समझते हों चलाई जानी चाहिए। इस स्तर के विद्यार्थियों मे नेतृत्व के गुण तथा अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित हो इसलिए प्रार्थना सभा व बाल सभा में इन्हें अवसर उपलब्ध करवाए जाएं।

इसी माह एसआईक्यूई के तहत द्वितीय योगात्मक आकलन भी पूर्व निर्धारित है। इस आकलन के आधार पर बच्चों के कक्षा स्तर के आकलन का कार्य गम्भीरता से किए जाने की आवश्यकता है। तत्पश्चात् हमें समूह दो के विद्यार्थियों को कक्षा स्तर में अनिवार्य रूप से लाना है।

आशा है, आप विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों को मूर्त रूप देने के लिए अपना वांछित योगदान देते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संकल्पना को सार्थक करेंगे।

Best wishes,

शुभेच्छु

(नथमल डिडेल)

समस्त संस्था प्रधान,
राजकीय माध्य. एवं उच्च माध्य. विद्यालय।